खलंगा आरक्षति वन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **देहरादून** के स्थानीय नविासी खलंगा आरक्षति वन में **2,000** साल वृक्षों **को बचाने के लयि** एकजुट हुए। वृक्षों की कटाई के खलिाफ जनता के वरिोध के कारण, राज्य सरकार **नयिोजति पेयजल संयंत्र को जंगल से स्थानांतरति करेगी।**

मुख्य बदिु:

- पर्यावरण कार्यकर्त्ताओं ने सोंग बाँध पेयजल परियोजना के लयि **खलंगा आरक्षति वन में 2000 साल वृक्षों को चहि्नति करने का वरिोध कयिा,** जसिसे स्थानीय लोगों में गहरी नाराज़गी उत्पन्न हो गई और उन्होंने परियोजना के खलिाफ वरिोध प्रदर्शन शुरू कर दयिा।
- **जागरूकता फैलाने के लयि** सोशल मीडयिा पर **अभयिान चलाया गया** और कुछ समूहों ने वृक्षों पर रक्षासूत्र बाँधे।
- देहरादून में **सोंग बाँध परियोजना** के अंतर्गत 524 करोड़ रुपए की पेयजल परियोजना बनाई जाएगी, जसिकी अनुमानति कुल लागत 3000 करोड़ रुपए है।
    - इस **परियोजना में** सोंग बाँध के नकिट एक **जलाशय का नरि्माण** तथा **4.2 हेक्टेयर भूमि** पर 150 MLD (मेगालटिर प्रतदिनि) **जल उपचार संयंत्र का नरि्माण शामलि है।**
    - इस परियोजना का उद्देश्य **कनार गाँव से राजधानी के 60 वार्डों को पेयजल आपूर्ति करना है,** जसिसे अंततः देहरादून के 60 वार्डों को लाभ होगा।

साल वृक्ष

//

- ??????? ???????? *(Shorea robusta)* या साल वृक्ष, **डिप्टेरोकार्पेसी परिवार का एक वृक्ष प्रजाति है।**
- यह वृक्ष **भारत, बांग्लादेश, नेपाल, तिब्बत और हिमालयी क्षेत्रों का मूल निवासी है।**
- **विवरण**
  - यह **40 मीटर तक ऊँचा हो सकता है तथा इसके तने का व्यास 2 मीटर होता है।**
  - **पत्तियाँ 10-25 सेमी. लंबी और 5-15 सेमी. चौड़ी होती हैं।**
  - **आर्द्र क्षेत्रों** में साल **सदाबहार** होता है; **शुष्क क्षेत्रों** में यह **शुष्क ऋतु** में **पर्णपाती** होता है, जिसके अधिकांश पत्ते फरवरी से अप्रैल तक गिर जाते हैं और अप्रैल तथा मई में पुनः पत्ते निकल आते हैं।
  - साल वृक्ष को मध्य प्रदेश, ओडिशा और झारखंड सहित **उत्तरी भारत में सखुआ के नाम से भी जाना जाता है।**
  - यह दो भारतीय राज्यों- **छत्तीसगढ़ और झारखंड का राज्य वृक्ष है।**
- **संस्कृति**
  - हिंदू परंपरा में **साल वृक्ष को पवित्र माना जाता है। इसे भगवान विष्णु से भी जोड़ा जाता है।**
  - इस वृक्ष का सामान्य नाम 'साल' शब्द 'शाला' से आया है, जिसका **संस्कृत में अर्थ 'प्राचीर' होता है।**
  - जैन धर्मावलंबियों का मानना है कि **24वें तीर्थंकर महावीर को साल वृक्ष के नीचे ज्ञान** की प्राप्ति हुई थी।
  - **बंगाल की** कुछ संस्कृतियों **में सरना बूढ़ी की पूजा की जाती है, जो साल वृक्षों के पवित्र उपवनों से जुड़ी देवी है।**
  - बौद्ध परंपरा के अनुसार **शाक्य** की **रानी माया** ने दक्षिण नेपाल के लुंबिनी के एक बगीचे में **साल वृक्ष या अशोक वृक्ष की शाखा को पकड़ते हुए गौतम बुद्ध को जन्म दिया था।**
  - बौद्ध परंपरा के अनुसार, **बुद्ध की मृत्यु के समय वे साल वृक्षों के बीच विश्राम कर रहे थे।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/khalanga-reserve-forest